



था।
भगवान् जगन्नाथ रथ यात्रा में सूरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल मौजूद रहा लेकिन प्रभु के भक्तों ने पूरा अनुशासन और संयम रखा तथा किसी भी प्रकार का व्यवधान नहीं आया। रथ यात्रा में शामिल श्रद्धालु भगवान् जगन्नाथ के विग्रह को अपलक की आरती नजर आए। क्या पुरुष, क्या महिलाएं और बच्चे प्रभु के दिव्य विग्रह को निहारते रहे।
इस अवसर पर इस्कॉन के श्री प्राणेश्वर प्रभु सहित बड़ी संख्या में इस्कॉन के सदस्य महप्रभु और भक्तगणों के साथ ही ग्वालियर के प्रबुद्ध जन, भाजपा नेता, व्यापारी, समाजसेवी, कॉलेज, क्लबों के साथ युवा बड़ी संख्या में रथ यात्रा में उपस्थित रहे।

शर्मा 'बिक्की', वकील सिंह,
दरशन राठौर, पंचम भदौरिया, डॉ.
चंदन सिंह, जसवंत शेजवार,
फूलचंद लीडर, अनिल शर्मा,
गोपाल चौधरी, राहुल गुर्जर,
अजातशत्रु शर्मा, डॉ. पंकज
पटवार्, जितेन्द्र खेमरिया, शाहरुह
यादव, विदेशी चौरीया, दीपक
उपाध्याय, रामलाल बाथम,
आलउद्दीन, अशोक सुमन, सुरेश
वाजपेयी, सुंदर अहिरवार, राजेश
तोमर, रमेश झा, रामवीर गुर्जर
आदि मौजूद रहे।

चानलमक सच का विकास भी उतना ही आवश्यक है। इसी सोच के साथ विद्यालय में Activity Based Learning को बढ़ावा दिया जाता है, जिससे विद्यार्थी सीखने की प्रक्रिया को आनंददायक एवं प्रभावी ढंग से अनुभव करते हैं। विद्यालय में प्ले गुप से कक्षा VIII तक अंग्रेजी माध्यम में शिक्षा प्रदान की जाती है। अनुभव एवं उच्च शिक्षित शिक्षकों की टीम, कम Teacher-Student Ratio, आधुनिक शिक्षण तकनीक, नियमित सह-शैक्षणिक गतिविधियाँ तथा व्यक्तिगत मार्गदर्शन विद्यालय की प्रमुख विशेषताएँ हैं। श्रीमती शालिनी गुप्ता ने बताया कि विद्यालय का उद्देश्य प्रत्येक बच्चे की प्रतिभा को पहचानकर उसे सही दिशा देना है, ताकि वह भविष्य में एक जिम्मेदार, आत्मनिर्भर एवं सफल नागरिक बन सके। गुप्तनव्युषी शिक्षा, अनुशासन एवं संस्कारों का समन्वय ही इंडीक्रेडिस् पब्लिक स्कूल की पहचान है।

अधिक अंक
प्राप्त कर उत्कृष्ट
सफलता
अर्जित की,
वर्हीं कक्षा 10वीं
के छात्रों ने भी
शानदार
परिणाम देकर
विद्यालय की
श्रेष्ठ शैक्षणिक
व्यवस्था को

साथ सफलता का नया इतिहास रच
 देया है। वर्ष 1999 में स्थापित यह
 प्रतिष्ठित विद्यालय आज
 गणितवाचपूर्ण शिक्षा, अनुशासन और
 गतिक मूल्यों के कारण शहर के
 अग्रणी शिक्षण संस्थानों में अपनी
 विशेष पहचान बना चुका है। हाल
 ही में पोषित माध्यमिक शिक्षा
 मंडल की बोर्ड परीक्षाओं में
 विद्यार्थियों के विद्यार्थियों ने शानदार
 प्रदर्शन करके हुए विद्यालय का
 नाम बढ़ाया। प्रकाश 12वीं के
 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से

 navabharatgwalior@gmail.com

उन्होंने बताया कि क्षेत्री भविष्य निर्माण कार्यालय, ग्वालियर द्वारा अपने क्षेत्राधिकार के समस्त ग्राम प्रतिष्ठानों को ई-मेल व माध्यम से योजना की जानकारी एवं ग्रामा संबंधी सूचना प्रेषित की जा रही है, ताकि कोई भी पात्र प्रतिष्ठान स्व-मूल्यांकन अवसर वंचित न रहे। यदि किसी नियोज्य अथवा प्रतिष्ठान को योजना संबंध में किसी प्रकार व जानकारी, मार्गदर्शन अथवा आवेदन प्रक्रिया में सहायता व आवश्यकता हो, तो वह क्षेत्री भविष्य निर्माण कार्यालय, ग्वालियर से संपर्क कर सकता है। ईपीएफओ ने सभी पात्र नियोज्यताओं से अपील की है कि इस क्रमिक एवं समग्रवृद्ध योजना के अधिकतम लाभ उठाकर अपना लंबित हितों संबंधी प्रकरणों व समाधान सुनिश्चित करें।

ये ट्रेन रहेंगी रद्द- ग्वालियर प्रयागराज एक्सप्रेस (11801): 28 व 28 जुलाई। प्रयागराज-ग्वालियर एक्सप्रेस (11802): 28 व 28 जुलाई। वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी बांदा मेमू (64613/64614): 28 व 28 जुलाई को दोनों दिशाओं में

ग्वालियर-बरोनी स्पेशल ट्रेन के 18 फेरे निरस्त
परिवहनक क कारण से ग्वालियर-बरोनी-ग्वालियर (04137/04138) से दिसासाहिक स्पेशल ट्रेन को निरस्त कर दिया गया है। इसके तहत ग्वालियर से 1 जुलाई से 18 अगस्त तक (मंगलवार और शनिवार) और बरोनी से 22 जुलाई से 1 अगस्त तक (बुधवार और रविवार) कुल 9-फेरे (कुल 18 फेरे) रद्द रहेंगे।

दंत कैवल्य भोजन चवाने का माध्यम नहीं होता, बल्कि हमारी मुद्रिका, व्यक्तित्व और आत्मविश्वास की पहचान भी होता है। किसी मुद्रिका, दांतों की बीमारी या बढती उम्र के कारण यदि एक या अधिक दांत डट जाएं या निलत जाएं, तो इसका असर न केवल चेहरे की सुंदरता पर पड़ता है, बल्कि बोलने, खाने और आत्मविश्वास पर भी दिखाई देता है। ऐसी स्थिति में डेंटल इम्प्लांट अनुष्ठीत दंत चिकित्सा का सबसे सुरक्षित, स्थायी और शक्तिशाली उपचार माना जाता है। भारतीय डेंटल हॉस्पिटल के डॉ. धर्मेन्द्र गुप्ता बताते हैं कि डेंटल इम्प्लांट चढ़ाने की हड्डी में लगाए जाने वाले विशेष टाइटनियम इम्प्लांट होते हैं, जिन पर प्राकृतिक दांत जैसा क्राउन लगाया जाता है। यह दंतस्थान, महसूस करने और उपयोग करने में लगभग प्राकृतिक दांत जैसा ही होता है। डॉ. गुप्ता के अनुसार डेंटल इम्प्लांट का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इसमें आसपास के स्वस्थ दांतों को घिसने या नुकसान पहुँचाने की आवश्यकता नहीं पड़ती। यह मजबूती और अपनी जगह पर स्थिर रहता है, जिससे भोजन बोलने, स्पष्ट बोलने और सामान्य जीवन जीने में किसी प्रकार की असुविधा न होती। साथ ही यह जबड़े की हड्डी को सुरक्षित रखने में भी मदद करता है, जिससे चेहरे का प्राकृतिक बनावट लंबे समय तक बनी रह है। यदि उचित देखभाल और नियमित परीक्षण करवाया जाए तो डेंटल इम्प्लांट वहाँ तक, बल्कि जीवनभर भी सफलतापूर्वक कार्य कर सकते हैं। यही कारण है कि आँखें यह खोए हुए दांतों की जगह लेने का सबसे विश्वसनीय विकल्प बन चुका है। यदि आप किसी भी एक या अधिक दांतों को हटाने या नुकसान ग्राहें हैं और आप फिर से आत्मविश्वास साथ मुस्कान चाहते हैं, तो किसी अनुभूत दंत चिकित्सक से परामर्श लेकर डेंटल इम्प्लांट के बारे में जानकारी अवरुधत हैं।

डॉ. धर्मेन्द्र गुप्ता, डेंटल इम्प्लांट विशेषज्ञ

संपर्क करें-9090848460